Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत ने लीथ्स सॉफ्टशेल टर्टल (निल्सोनिया लेथी) को परिशिष्ट II से परिशिष्ट I में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव रखा है।
2. भारत का प्रस्ताव परिशिष्ट II में जेपोर हिल गेको (साइरटोडैक्टाइलस जेपोरेंसिस) को शामिल करने का है।
3. भारत ने सीआईटीईएस के परिशिष्ट II में रेड-क्राउन रूफ्ड टर्टल (बटागुर कचुगा) को स्थानांतरित करने का प्रस्ताव दिया है।

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a

व्याख्या:

- वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर **कन्वेंशन (सीआईटीईएस)** के परिशिष्ट II से परिशिष्ट I में लीथ्स सॉफ्टशेल टर्टल (निल्सोनिया लेथी) को स्थानांतरित करने के भारत के प्रस्ताव को **सीआईटीईएस** में पक्षकारों के सम्मेलन (सीओपी) के पनामा में 19वीं बैठक द्वारा अपनाया गया है।
- सीओपी टू सीआईटीईएस की 19वीं बैठक 14 से 25 नवंबर 2022 तक पनामा में आयोजित की जा रही है।
- जेपोर हिल गेको (साइरटोडैक्टाइलस जेपोरेंसिस) को परिशिष्ट II में शामिल करने और सीआईटीईएस के परिशिष्ट II से परिशिष्ट I में रेड-क्राउन रूफ्ड टर्टल (बटागुर कचुगा) के स्थानांतरण के भारत के प्रस्ताव को भी इस बैठक में सीओपी द्वारा अपनाया गया है।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बेरोजगारी अनुपात को देश में बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।
2. श्रमिक-जनसंख्या अनुपात (WPR) को जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।
3. श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) को श्रम बल में कार्यरत व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: b

व्याख्या:

- कार्यबल में मौजूद कुल लोगों में से बेरोजगार लोगों के प्रतिशत को बेरोजगारी अनुपात के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

- श्रमिक-जनसंख्या अनुपात (WPR) को जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) को श्रम बल में उन लोगों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है जो आबादी में काम कर रहे हैं या मांग रहे हैं या काम के लिए उपलब्ध हैं।

Q: नसीम अल बहर-2022 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अभ्यास ओमान और भारत की नौसेना के बीच आयोजित किया जाता है।
2. इस वर्ष इस अभ्यास के 30 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c
व्याख्या:

- भारतीय और रॉयल ओमान नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय अभ्यास का 13वां संस्करण, नसीम अल बहर-2022, 20 नवंबर 2022 को ओमान के तट पर शुरू हुआ।
- पहला आईएन-आरएनओ अभ्यास 1993 में आयोजित किया गया था।
- इस वर्ष आईएन-आरएनओ द्विपक्षीय अभ्यास के 30 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत का एक आर्कटिक अनुसंधान कार्यक्रम है।
2. जलवायु और पर्यावरण संरक्षण आर्कटिक अनुसंधान कार्यक्रम के स्तंभों में से एक है।
3. भारत आर्कटिक परिषद के 13 पर्यवेक्षकों में से एक है।

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d
व्याख्या:

- 2007 से, भारत का एक आर्कटिक अनुसंधान कार्यक्रम है, जिसमें अब तक 13 अभियान चलाए जा चुके हैं।
- मार्च 2022 में, भारत ने अपनी पहली आर्कटिक नीति का अनावरण किया, जिसका शीर्षक था: 'भारत और आर्कटिक: सतत विकास के लिए साझेदारी का निर्माण', जिसमें छह स्तंभ निर्धारित किए गए हैं जो निम्न हैं:

a) भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान और सहयोग को मजबूत करना,

b) जलवायु और पर्यावरण संरक्षण,
c) आर्थिक और मानव विकास,
d) परिवहन और कनेक्टिविटी,
e) प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग, और
f) आर्कटिक क्षेत्र में राष्ट्रीय क्षमता निर्माण।

- **भारत आर्कटिक परिषद में 13 पर्यवेक्षकों में से एक है,** जो आर्कटिक में सहयोग को बढ़ावा देने वाला अग्रणी अंतर-सरकारी मंच है।

Q: लीथ के सॉफ्टशेल कछुए के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक बड़ा मृदु जल का नरम खोल वाला कछुआ है।
2. यह प्रजाति वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची IV में सूचीबद्ध है।
3. इसे आईयूसीएन (IUCN) द्वारा संकटापन्न प्रजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a
व्याख्या:

- लीथ्स सॉफ्टशेल टर्टल एक बड़ा मृदु जल का नरम खोल वाला कछुआ है जो प्रायद्वीपीय भारत के लिए स्थानिक है और यह नदियों और जलाशयों में रहता है।
- पिछले 30 वर्षों में प्रजातियों का गहन शोषण किया गया है। भारत के भीतर अवैध रूप से इसका शिकार किया गया और इसका सेवन किया गया। मांस के लिए और इसके कैलीपी के लिए इसका विदेशों में भी अवैध रूप से कारोबार किया जाता है।
- पिछले 30 वर्षों में कछुओं की इस प्रजाति की संख्या में 90% की गिरावट का अनुमान लगाया गया है, जिससे कि अब इस प्रजाति को ढूढ़ना मुश्किल हो गया है।
- इसे आईयूसीएन द्वारा 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- यह प्रजाति वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची IV में सूचीबद्ध है, जो इसे शिकार के साथ-साथ व्यापार से भी सुरक्षा प्रदान करती है। हालांकि, संरक्षित कछुओं की प्रजातियों का अवैध शिकार और अवैध व्यापार भारत में एक बड़ी चुनौती है, जहां हर वर्ष हजारों नमूनों की बरामदगी होती है।